(iii) [illegible]

नवीन परीक्षा प्रणाली : गुण

(New Type Tests : Merits)

वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषतायें इस प्रकार हैं—

1. वैधता (Validity)

2. विश्वसनीयता (Reliability)

3. वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

4. कन्टैंट कवरेज (Content coverage)

5. श्रम एवं समय की दृष्टि से बचत (Economical in Time and Energy)

6. रोचक (Interesting)

7. प्रश्नों की उपयुक्तता (Suitability of Questions)

8. सीखने में प्रेरणा (Stimulation in Learning)

9. ज्ञान का सही मूल्यांकन (True test of knowledge)

11. सरल मूल्यांकन (Easy to evaluate)

Scanned with CamScanner

सीमायें (Demerits) :

1. इस परीक्षा में नकल करने की प्रवृत्ति (Copying tendency) को बढ़ावा मिलता है।

2. विद्यार्थी बहुत से प्रश्नों का उत्तर अनुमान से ही दे देते हैं।

3. इन परीक्षाओं में प्रश्न-पत्र निर्माता (Paper setter) को अपने विषय में पूर्ण दक्ष (expert) होना चाहिये।

4. इन परीक्षाओं ने छात्रों की मात्र स्मृति (Memory) या अनुमान (Guess) पर ही अधिक बल दिया है।

5. इन परीक्षाओं के माध्यम से परीक्षार्थी को विषय के गहन अध्ययन की अपेक्षा उथला ज्ञान (Rough) प्राप्त करने को प्रोत्साहन मिलता है।

6. इस परीक्षा द्वारा जब अध्यापक अपने अध्यापन की त्रुटियों का ही पता नहीं लगा पाता तो उससे इस बात की अपेक्षा करना कि वह छात्रों की कठिनाइयों का पता लगा सके, न्याय संगत नहीं है।

7. छात्रों को एक ही प्रश्न के कई गलत-उत्तर देकर भ्रम (Confusion) में डालना अमनोवैज्ञानिक (Unpsychological) है।

8. इस परीक्षा में परीक्षार्थी को अपने मौलिक भाव प्रस्तुत करने का अवसर ही नहीं मिलता।

9. यह परीक्षा छपाई की दृष्टि से बहुत महंगी है।

10. यह परीक्षा पूर्णतया वस्तुनिष्ठ नहीं है, क्योंकि जब दो परीक्षकों द्वारा एक ही विषय वस्तु पर प्रश्न पत्र बनाकर छात्रों की योग्यता की परख की जाती है तब उनके प्राप्तांकों में सह-सम्बन्ध गुणक (Coefficient of Correlation) की मात्रा निम्न स्तर की आती है।

Scanned with CamScanner